RNTU TIMES

Rank Band 151-200 in University Category in nirf 2024

VOLUME: 4 | www.rntu.ac.in | November-December, 2024

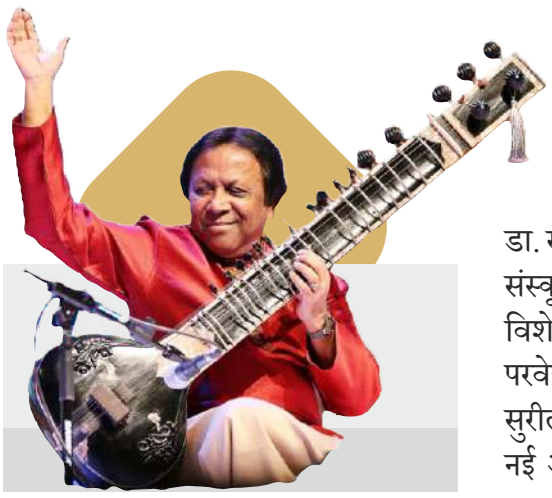

सोहबत में गा उठा उस्ताद का सितार आरएनटीयू में सजी शाहिद परवेज़ की महफिल

19th Nov.: ***फ़न और फ़नकार का करिश्माई हुनर हो तो साज़ के बेज़ुबान तारों में भी अहसासों की सतरंगी आवाज़ों को सुना जा सकता है।***

उस्ताद शाहिद परवेज़ सितार की ऐसी ही बेमिसाल शिरकत लिए रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की बारादरी में पेश आए। सुरों की ये महफिल सजाई स्पिक मैके के मध्यप्रदेश चेप्टर ने टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के साथ मिलकर। तंत्रकारी और गायकी अंग को साधते उस्ताद परवेज़ की रागदारी का खुमार सुनने वालों की रूह में उतरता गया। कभी दम साधकर तो कभी तालियों की गड़गड़ाहट के बीच श्रोताओं ने उस्ताद को नवाज़ा।

शारदा सभागार के गरिमामय मंच पर शाहिद परवेज़ का टैगोर प्रतिमा तथा विश्वरंग के कलात्मक दस्तावेज़ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एजीयू निदेशक तथा आरएनटीयू की प्रति कुलाधिपति डा. अदिति चतुर्वेदी वत्स, संगीत मनीषी पंडित किरण देशपाण्डे, अटल इंक्यूबेशन सेंटर के निदेशक नितिन वत्स, प्रति कुलपति डा. संगीता जौहरी तथा टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक विनय उपाध्याय विशेष रूप से उपस्थित थे। उस्ताद शाहिद परवेज़ के सितार को सुनना इटावा घराने की सुरीली विरासत से रूबरू होना है। सुरों की नई अनुगूँजों के बीच संगीत के नए जादुई असर को महसूस करना है।

'झंकार' की इस महफिल में सितार वादन के लिए उस्ताद परवेज़ ने दक्षिण भारत में विशेष प्रचलित राग 'चारूकेशी' का चयन किया। विलंबित आलाप जोड़ और झाला में उन्होंने राग का मिज़ाज़ तैयार किया। मीड़ की मिठास और गमक भरी तानों की खूबसूरत रवानगी लिए तिहाई और सम का दिलकश ताना-बाना नौजवान श्रोताओं पर गहरा असर कर गया। बेसाख्ता तालियों से छात्र-छात्राओं ने उस्ताद को नवाज़ा।

दस मात्रा की झपताल का बहुत संयमित प्रवाह लिए तबले पर संगत कर रहे उन्मेष बैनर्जी ने लय-ताल का समां बांधा। कद्रदानों से मिली इस मोहब्बत और मान का भरे दिल से शुक्रिया अदा करते हुए शाहिद परवेज़ ने संवाद का सिलसिला भी बनाया। उन्होंने कहा कि मेरी संगीत की यायावरी में आरएनटीयू की ये महफिल हमेशा मेरी यादों में बसी रहेगी।

महफिल का समापन शाहिद परवेज़ ने राग खमाज और पहाड़ी की धुन बजाकर किया। तबले पर कहरवा का ठेका लगाते हुए उन्मेष ने मौसिकी के इस मंज़र को और भी ख़ूबसूरत बना दिया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विनय उपाध्याय ने उस्ताद और भोपाल की कई अनछुई यादें साझा की। बताया कि 18 बरस के नौजवान शाहिद परवेज़ ने रबीन्द्र भवन के मंच पर 'युवा खोज समारोह' में सितार वादन किया था। कार्यक्रम अभिनव कला परिषद का था। तब का यह उभरता कलाकार आज संगीत का रौशन सितारा है।

विदा होने से पहले उस्ताद ने श्रोताओं के सवालों के बेहद संजीदगी से भरे जवाब दिए। उन्होंने कहा कि यह धारणा ग़लत है कि अनूठा प्रयोग करने के लिए परंपरा को त्यागना ज़रूरी है। हमारा संगीत इतना गहरा, विस्तृत और बहुरंगी है कि परंपरा की सरहद में रहकर भी अद्वितीय रचा जा सकता है।

परवेज़ ने फ्यूज़न पर अपनी टिप्पणी में कहा कि मेलोडी और फीलिंग के बिना ग्लेमर के नाम पर जो कुछ भी बाज़ार में परोसा जा रहा है, वह ज़्यादा दिन वजूद में नहीं रहता है। किसी दिन अचानक सुनने वाले उसे चलन से बाहर कर देते हैं।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में संगीत संगोष्ठी का हुआ समापन: संगोष्ठी में शोधपत्रों के वाचन के साथ ही कलाकारों की प्रस्तुति से मंत्र मुग्ध हुए श्रोता

23rd Nov.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी भोपाल एवं राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगीत सेमिनार का आयोजन संपन्न हुआ। नई शिक्षा नीति 2020 तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत संगीत में नवाचार की संभावनाएं विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में आज के मुख्य वक्ता श्री प्रेमचंद होम्बल, डॉ.शोभा चौधरी,श्रीमती श्रीमती दीपा मिश्रा, सुश्री उल्लास तैलंग एवं अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी भोपाल के पूर्व निर्देशक एवं श्री राहुल रस्तोगी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे।

प्रथम सत्र में श्री प्रेमचंद होम्बल ने नाट्यशास्त्र के अध्यायों का संक्षिप्त विश्लेषण कर आंगिक अभिनय पर विस्तार से अपनी बात रखी, डॉ.शोभा चौधरी ने संगीत में परंपरागत एवं प्रचलित बंदिशों के सौंदर्य शास्त्र के गूढ़ रहस्यों को अपने प्रदर्शनात्मक व्याख्यान के माध्यम से सरल कर समझाया। इसके पश्चात डॉ.स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने कलाओं की शिक्षागत नीति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नई शिक्षा नीति के कुछ तकनीकी पहलुओं के महत्व बताते हुए उसके क्रियान्वयन की सार्थकता पर मंच से शिक्षकों एवं शोधार्थियों विचार मांगे।

दूसरे सत्र में श्रीमती दीपा मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि रबींद्रनाथ के संगीत में गीतों की सुसंगति ने अमूर्त को मूर्त किया है। जीवन की विविध रूप-छटाओं की बहुआयामी अभिव्यक्ति ने उनके संगीत को ऊंचाई प्रदान की है। संगीत का ऐसा मानवीयकरण हम विश्व में कहीं और नहीं देखते. साहित्य और संगीत के इस अनोखे मिलन ने रबींद्रनाथ को पूरी दुनिया में सबसे अलग स्थान प्रदान किया है।

संस्कृति विभाग के उस्ताद अलाउद्दीन खान संगीत एवं कला अकादमी के पूर्व उपनिदेशक राहुल रस्तोगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें अपने मूल्यों, संस्कृति और परंपराओं की निरंतर साधना करते रहना चाहिए। हमें लोक और शास्त्र की परंपरा को साथ लेकर चलना चाहिए। शब्द की यह यात्रा बहुत गहरी और लंबी है। इसे बिसराकर हम कहीं नहीं पहुंच सकते हैं। बहुत लंबी साधना के बाद शास्त्र की परंपरा और लोक की परंपरा हमें प्राप्त हुई हैं। अपने मूल रूप में इसका ज्ञान पहले शब्द थे। इसलिए हमारे यहा ज्ञान का अर्थ होता है दृष्टि। इसीलिए हमारे यहां ज्ञान प्राप्त कर लेने वाले को दृष्टा कहा जाता है, लिखने वाला या लेखक नहीं कहा जाता। देखने वाला दृष्टा कहा जाता है।

अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी भोपाल के पूर्व निर्देशक उल्लास तैलंग ने अपने उद्बोधन में बताया कि भारतीय संगीत की परंपरा व प्रयोग पर दृष्टि डालें तो इसकी विशिष्टता ही इसकी प्रयोग धर्मिता है। सृजनशीलता ही इसके सौन्दर्य का आधार है। प्रत्येक कलाकार ने कला को जिस रूप में देखा, कल्पना ने कला आकाश में वैसी ही उड़ान भरी और सुन्दर व्यक्तिगत रूप में 'रचना' का जन्म हुआ। वही रचना जो रची गई थी बरसों बरस उसने हर मंच पर हर कलाकार के द्वारा नया रूप पाया है। संगोष्ठी के समापन समारोह में शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले शोधार्थियों को एवं संगीत प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को डॉ.स्मिता सहस्त्रबुद्धे कुलपति राजा मान सिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय,ग्वालियर द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किये गए।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री विशाखा राजुरकर द्वारा किया गया। इस दौरान रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति श्रीमती संगीत जौहरी, राजा मानसिंह तोमर विश्वविद्यालय की कुलपति स्मिता सहस्त्रबुद्धे, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल के मानविकी एवं उदार कला संकाय की अधिष्ठाता श्रीमती टीना तिवारी, मानविकी एवं उदार कला संकाय रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता रुचि मिश्रा तिवारी, विभागाध्यक्ष डॉ. हर्षा शर्मा, सह प्राध्यापक डॉ. शैलेन्द्र सिंह, रबिन्द्र नाट्य विद्यालय के निदेशक श्री मनोज नायर, सहायक प्राध्यापक श्री चैतन्य आठले प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

NATIONAL MATHEMATICS WEEK Celebrated with Enthusiasm @ RNTU

25th Dec.: The Faculty of Science and the Science Communication Center of Rabindranath Tagore University celebrated the National Mathematics Week with great enthusiasm. This week is celebrated every year by the university to raise awareness about the importance of mathematics among students, in commemoration of the birth anniversary of the great mathematician Srinivasa Ramanujan.

On the closing day, prominent speakers including Dr. Shailendra Singh Dabi, Chief Scientist, MPCST, Dr. Sanjeet Kumar, Professor and Head, Department of Mathematics, LNCT University, Dr. Sangeeta Jauhari, Pro Vice Chancellor, RNTU, Dr. Purvee Bhardwaj, Dean, Faculty of Science, Dr. Durga Pandey, and Program Coordinator Dr. Bhavna Agarwal were present. During the event, speakers highlighted the significance of mathematics and its role as a tool for logical thinking and innovation, referencing the life and contributions of Srinivasa Ramanujan. Dr. Sanjeet Kumar provided valuable insights to students through unique mathematical problems and puzzles.

Dr. Sangeeta Jauhari motivated students to draw inspiration from Ramanujan's life, while Dr. Purvee Bhardwaj beautifully narrated Ramanujan's biography and provided detailed information about the activities at RNTU. Dr. Durga Pandey shared the role of mathematics in the medical field with the students. The week-long event, sponsored by the Madhya Pradesh Council of Science and Technology, included various engaging activities such as poster-making, essay writing, speech contests, open house quizzes, and sky observation programs. Outstanding students were honored with trophies and certificates for their exceptional performances.

Over 500 students participated in the week-long activities, with the highlight being the telescope-based sky observation event conducted by Mr. Bhupendra Singh from the Science Communication Center. This successful celebration of National Mathematics Week not only honored the rich legacy of mathematics but also helped in sparking renewed interest in the subject among students and faculty members.

The Faculty of Science and the Science Communication Center expressed their gratitude to all participants and organizers who made this event a success.

प्रतिष्ठित अखिल भारतीय ब्रह्मदत्त तिवारी स्मृति सम्मान– 2024 से अलंकृत हुए श्री संतोष चौबे

13th Nov.: सृजन चेतना की संवाहक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रियाशील 'कादंबरी संस्था' का प्रतिष्ठित **'अखिल भारतीय ब्रह्मदत्त तिवारी स्मृति सम्मान–2024'** श्री संतोष चौबे, वरिष्ठ कवि–कथाकार, निदेशक, विश्व रंग एवं कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल को प्रदान कर सम्मानित किया गया। कादंबरी द्वारा जबलपुर में आयोजित भव्य एवं गरिमापूर्ण समारोह में प्रतीक चिन्ह, मानपत्र, सम्मान निधि, शॉल और श्रीफल प्रदान कर श्री संतोष चौबे जी को प्रतिष्ठित **'अखिल भारतीय ब्रह्मदत्त सम्मान–2024'** से अलंकृत किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ रचनाकार एवं "इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए" की कार्यकारी संपादक डॉ. विनीता चौबे जी ने अपनी रचनात्मक उपस्थिति दर्ज कराई। उल्लेखनीय है कि कवि–कथाकार, उपन्यासकार, संपादक और अनुवादक श्री संतोष चौबे अपने अभिनव रचनात्मक प्रकल्पों और नवाचारों के लिए वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय 'विश्वरंग' महोत्सव की वर्ष 2019 में भोपाल से शुरुआत की जिसके आज 60 से अधिक सदस्य देश हैं। हाल ही में विश्व रंग का 'मॉरीशस' में भव्य आयोजन कर उन्होंने हिंदी के वैश्विक विस्तार की जमीन तैयार की है।

हाल ही में उन्हें सिंगापुर में 'विश्व हिंदी शिखर सम्मान– 2024' और फ्रांस में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'भारत गौरव सम्मान–2024' से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व लंदन में "वातायन यू.के. अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मान 2023" और अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा 'लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड–2023 से सम्मानित किया गया।

श्री संतोष चौबे को कविता (कहीं और सच होंगे सपने) के लिए मध्यप्रदेश साहित्य परिषद् का दुष्यंत कुमार पुरस्कार, आलोचना (कला की संगत) के लिए स्पंदन आलोचना सम्मान, अनुवाद (मास्को डायरी) के लिए मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का पुरस्कार एवं उपन्यास (जलतरंग) के लिए शैलेश मटियानी तथा अन्तरराष्ट्रीय वैली ऑफ वर्ड्स पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। समग्र साहित्यिक अवदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय दुष्यंत एवं शिवमंगल सिंह सुमन अलंकरण आदि प्राप्त हुए हैं।

प्रतिष्ठित 'अखिल भारतीय ब्रह्मदत्त तिवारी स्मृति सम्मान–2024' के लिए श्री संतोष चौबे जी को 'विश्व रंग' टैगोर अंतर्राष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव, विश्व रंग सचिवालय, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केन्द्र, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, बिलासपुर, खंडवा, वैशाली, आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग, आईसेक्ट पब्लिकेशन, वनमाली सृजन पीठ, समस्त वनमाली सृजन केंद्रों तथा साहित्य, कला संस्कृति की सहयोगी संस्थाओं ने हार्दिक बधाई दी है।

श्री संतोष चौबे के ताजा निबंध संग्रह 'कहानी का रास्ता' हुआ लोकार्पित'

7th Dec.: वरिष्ठ कवि-कथाकार, विश्व रंग के निदेशक एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे के ताजा निबंध संग्रह 'कहानी का रास्ता' का लोकार्पण समारोह वनमाली सभागार, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में अतिथियों द्वारा 'कहानी का रास्ता' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण अवसर पर श्री संतोष चौबे ने 'कहानी का रास्ता' पर विचार रखते हुए 'वनमाली जी' को स्मरण करते हुए कहा कि कहानी का रास्ता कोई सपाट रास्ता नहीं होता। वह स्मृतियों से स्मृति में, मन से मन में और समय से समय में प्रवेश कर जाने वाला रास्ता है। कभी टेढ़ा–मेढ़ा, कभी घुमावदार, कभी पहाड़ों और कन्दराओं से गुजरा और कभी मैदान में सरपट भागता।

श्री संतोष चौबे ने नये रचनाकारों के हक में जरूरी बात करते हुए कहा कि नये रचनाकारों को आत्मीयता से सुनने की जरूरत होती है। कई मर्तबा आलोचक नये लेखक के लिखे की इस तरह से आलोचना कर देता है कि वह नया रचनाकार पद दलित हो जाता है। इससे हिंदी का रचना संसार सिकुड़ता जाता है। हमें नये रचनाकारों का हमेशा स्वागत करना चाहिए। उन्हें परिष्कृत करने का कार्य वरिष्ठ रचनाकारों और आलोचकों का दायित्व होना चाहिए।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. विनोद तिवारी, प्रख्यात आलोचक, संपादक, पक्षधर, नई दिल्ली ने कहा कि साहित्य जगत में आलोचना एक संस्था की तरह होती है। संपादन एक संस्था की तरह होती है। आलोचना कभी पाठक को केन्द्र में रखकर नहीं लिखी जाती। वह पाठक का उन्मुखीकरण करती है। वह पाठक को रचना पढ़ने के लिए उत्प्रेरण का काम करती है। 'कहानी का रास्ता' इसी दिशा में लिखी गई एक महत्वपूर्ण पुस्तक है।

जेएनयू के वरिष्ठ आलोचक प्रो. देवेन्द्र चौबे ने कहा कि आलोचक का एक महत्वपूर्ण कार्य होता है कि वह अपने समय में किये जा रहे रचनाकर्म पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण से दस्तावेजीकरण का कार्य करें। उस दृष्टि से 'कहानी का रास्ता' आलोचना के दस्तावेजीकरण की एक नायाब पुस्तक है। यह सृजनात्मक गद्य का महत्वपूर्ण उदाहरण है। चर्चित कथाकार एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष ने कहा कि संतोष चौबे जी की यह पुस्तक बातचीत की भाषा शैली में लिखी है। उन्होंने इसे सर्वज्ञता शिक्षक की तरह नहीं अपितु पाठक की तरह लिखा है।

वरिष्ठ कथाकार एवं अध्यक्ष, वनमाली सृजन पीठ, भोपाल के अध्यक्ष श्री मुकेश वर्मा ने कहा कि 'कहानी का रास्ता पुस्तक में कहानी केन्द्र में होते हुए भी साहित्य की अन्य सारी विधाओं, विषयों और उनसे जुड़े मुद्दों की बात करती है। यह पुस्तक रचनात्मक विचारों का गुलदस्ता है। वरिष्ठ कवि एवं वनमाली सृजन पीठ, दिल्ली के अध्यक्ष श्री लीलाधर मंडलोई ने कहा कि कहानी का सजल है यह पुस्तक। हमारे समय में जो कलाएँ हैं, उनके कलात्मक तत्वों का समावेश बहुत शिद्दत से इस पुस्तक में हुआ है। इसमें पाठक को लोकेट किया गया है। पाठक को महत्व दिया गया है। यह पुस्तक अकादमिक जड़ता से मुक्त है। यह अपने समय के जरूरी सवालों को रेखांकित करती हैं।

कार्यक्रम का सफल संचालन युवा कथाकार एवं वनमाली कथा के संपादक श्री कुणाल सिंह ने किया। अतिथियों का स्वागत करते हुए स्वागत वक्तव्य कार्यक्रम की समन्वयक सुश्री ज्योति रघुवंशी, राष्ट्रीय संयोजक वनमाली सृजन पीठ द्वारा दिया गया। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में भोपाल के रचनाकारों, साहित्यप्रेमियों, युवाओं ने रचनात्मक भागीदारी की।

तृशूर (केरल) में दो दिवसीय दक्षिण भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन

हिंदीतर राज्यों में हिंदी के प्रचार–प्रसार की दृष्टि से बहुत सार्थक रहा यह सम्मेलन

31st Dec.: तृशूर (केरल) में दो दिवसीय दक्षिण भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन हिंदीतर राज्यों में हिंदी के प्रचार प्रसार की दृष्टि से बहुत सार्थक रहा। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन उद्घाटन मुख्य अतिथि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे एवं वरिष्ठ कथाकार मधु कांकरिया जी (मुंबई) द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मलयालम के विद्वान डॉ. के.जी. प्रभाकरन ने की। श्री संतोष चौबे ने इस अवसर पर कहा कि हिंदी और भारतीय भाषाएँ आपस में सहोदर हैं। वे आपस में एक दूसरे को समृद्धशाली बनाती हैं। इनमें रचें गए साहित्य का आकलन मन के चश्मे से करेंगे तो एक नई दृष्टि मिलेगी। हमारी अदृश्यता को भेदने का कार्य कला- साहित्य ही कर सकते हैं विज्ञान नहीं।

इस अवसर पर डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र ने 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में हिंदी' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इस सत्र की अध्यक्षता आर्मेनिया की वरिष्ठ हिंदी शिक्षिका एवं लेखिका डॉ. संतोष कुमारी वर्मा ने की। उल्लेखनीय है कि इस समारोह में देश-विदेश सहित विशेषकर तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगु भाषी 150 से अधिक हिंदी विद्वानों के साथ ही बड़ी संख्या में शोधार्थियों और विद्यार्थियों की रचनात्मक भागीदारी रही। श्री संतोष चौबे ने दक्षिण भारत के हिंदी विद्वानों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर विश्व रंग के अंतर्गत प्रकाशित 65 देशों में हिंदी की स्थिति पर केंद्रित महत्वपूर्ण पुस्तक 'विश्व में हिंदी' सम्मेलन के संयोजक डॉ. वी.जी. गोपालकृष्णन को श्री संतोष चौबे एवं अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट ने भेंट की। कार्यक्रम में श्री रामा तक्षक, नीदरलैंड्स के

संपादन में संपादित 'साहित्य का विश्व रंग' पत्रिका के 'प्रवास मेरा नया जन्म' अंक का लोकार्पण श्री संतोष चौबे, वरिष्ठ कवि एवं विश्व रंग के सह- निदेशक श्री लीलाधर मंडलोई एवं अतिथि साहित्यकारों द्वारा किया गया

"विविभा 2024" में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और आईसेक्ट की प्रभावशाली भागीदारी

17th Nov.: एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम में भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोधार्थी सम्मेलन "**विविभा 2024** – विकसित भारत के लिए एक दृष्टि" में आईसेक्ट ग्रुप और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (RNTU) ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई।

इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में देशभर के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, रक्षा संगठनों, स्टार्टअप्स और विश्वविद्यालयों ने भाग लिया। आईसेक्ट और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने इस मंच के माध्यम से अपने शैक्षिक नवाचार, डिजिटल शिक्षा और शोध कार्यों को प्रदर्शित किया, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन में 100 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए थे, जिनमें डीआरडीओ, भारतीय सेना, इसरो, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय और शोध संस्थान शामिल थे। आईसेक्ट, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और स्कोप ग्लोबल स्किल विश्वविद्यालय ने भी स्टॉल लगाए जहाँ संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षिक और शोध परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया।

RNTU Celebrates 136th Birth Anniversary of Dr. C.V. Raman

7th Nov.: The Department of Science Communication and Faculty Science at Rabindranath Tagore University recently celebrated the 136th birth anniversary of renowned Indian physicist, Dr. C.V. Raman, with great enthusiasm. The event was graced by the presence of the university's Vice Chancellor, Dr. Sangeeta Jauhari, Dean of Academic Affairs Dr. Sanjeev Kumar Gupta, and Dean of Science Dr. Purvee Bharadwaj, among other dignitaries.

Under the guidance of RNTU Chancellor Shri Santosh Choubey and Vice Chancellor Dr. Vijay Singh, the university organizes this annual event to inspire young minds towards science and innovation. This year's celebration included a variety of activities aimed at fostering scientific temper among the students.

The highlights of the event included an essay writing competition on 'Our C.V. Raman', a film screening, and a stargazing session. Students actively participated in these activities, showcasing their knowledge and interest in science. The stargazing session was particularly engaging, as students observed celestial bodies like the moon and stars through telescopes.

Addressing the gathering, Dr. Sangeeta Jauhari emphasized the significance of Dr. C.V. Raman's contributions to the field of physics and encouraged students to follow in his footsteps. She also highlighted the importance of scientific research in addressing global challenges.

The event was a resounding success, with students, faculty, and staff coming together to pay tribute to the legendary scientist. RNTU continues to play a pivotal role in promoting scientific literacy and nurturing young talent.

RNTU Pharmacy Department Organizes Expert Talk on the Role of Research in Shaping the Future

18th Dec.: The Department of Pharmacy at Rabindranath Tagore University recently hosted an expert talk on the theme of "Role of Research in Shaping the Future". The primary objective of this event was to enlighten students about the significance of research in the pharmaceutical profession. Distinguished guests including Dr. Ram Singh Bishnoi, Assistant Professor at Rajiv Gandhi Proudyogiki Vishwavidyalaya, Bhopal, Dr. C.P. Mishra, Dean (Medical Sciences) of AISECT Group of University (AGU), and Dr. Durga Pandey, Principal of RNTU Institute of Pharmacy, graced the occasion with their presence.

Addressing the students, Dr. Ram Singh Bishnoi emphasized the pivotal role of research in the pharmaceutical profession. He highlighted that scientific research not only enhances drug quality but also aids in developing novel treatment methods. He further informed the students that pharmacists, possessing in-depth knowledge about medications, can play a crucial role in healthcare teams, especially when addressing drug efficacy and adverse effects.

Dr. C.P. Mishra delved into various aspects of the research process, explaining how students can enhance their capabilities by engaging in research and finding solutions to problems. He underscored the significance of research in overcoming challenges faced by pharmacists.

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के आजीविका संसाधन केंद्र द्वारा तीन दिवसीय एफपीओ कार्यशाला का आयोजन

28th Dec.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आर.एन.टी.यू), भोपाल के आजीविका संसाधन केंद्र (एल.आर.सी) द्वारा 26 से 28 दिसंबर 2024 तक "सी" और "डी" ग्रेड किसान उत्पादक कंपनियों (एफ.पी.ओ) की आवश्यकता आकलन पर तीन दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन आजीविक संसाधन केंद्र द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को नाबार्ड, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य एफपीओ की क्षमताओं को मजबूत करना और ग्रामीण कृषि क्षेत्र में स्थायी विकास को बढ़ावा देना था। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को एफपीओ की संरचना और उनके महत्व के बारे में गहन जानकारी प्रदान की गई। उन्हें वित्तीय योजना और बजट प्रबंधन की प्रक्रियाओं को समझाया गया, जिससे वे अपने संगठन के आर्थिक पहलुओं को बेहतर ढंग से संचालित कर सकें। इसके अलावा, बाजार विश्लेषण और मूल्य श्रृंखला प्रबंधन के माध्यम से उन्हें बाजार की मांग और आपूर्ति के आधार पर रणनीतियां विकसित करने के लिए प्रशिक्षित किया गया।सत्रों का नेतृत्व विभिन्न विशेषज्ञों ने किया, जिनमें डॉ. अरुण जोशी, कुलपति, सीवी रमन विश्वविद्यालय, खंडवा), डॉ. अभा ऋषि, कार्यकारी प्रमुख, एमपी स्टार्टअप सेंटर), डॉ. मैत्रम रत्नावती (भारतीय स्टेट बैंक), सी.ए. राजरिशि घोष, सी.एस. मयूरी हलदर , श्रीमती सरिता त्रिपाठी (सृजन), श्री गौतम नंदी (समुन्नति फाइनेंस), श्री आशीष गुप्ता (किसान मित्र), श्री पुरुषार्थ प्रताप सिंह (एन.सी.डी.ई.एक्स), श्री श्रीकांत मोहंता (सृजन), श्री चिंतन मेघवंशी (एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज), श्री नीरज मंसारमानी (एक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट), सुश्री पायल कुमारी (एम.पी.एस.आर.एल.एम) जैसे प्रमुख नाम शामिल थे।

RNTU Students Shine at Inter-University Cultural Fest, Securing Second Place in Orchestra and Fourth in Dance

29th Nov.: Students from Rabindranath Tagore University (RNTU) have brought laurels to the institution by securing the second position in the folk orchestra category at the 38th Inter-University Zonal Youth Festival. The event, hosted by Dr. Hari Singh Gour University, Sagar witnessed participation from over 900 students representing 23 universities across the central zone.

RNTU students also showcased their talent in folk tribal dance, where they secured the fourth position. The university fielded a strong contingent of 45 students who participated in various competitions, including one-act plays, mime, skit, rangoli, mehendi, poster making, clay modeling, installation, quiz, debate, classical dance, and cultural procession.

The youth festival provided a platform for students to showcase their artistic and cultural talents. RNTU's impressive performance in multiple categories is a testament to the university's commitment to fostering holistic development among its students.

आरएनटीयू के विधि विभाग व एनएसएस के द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष्य में हुआ राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

25th Nov.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के विधि विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष्य में संविधान जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसका समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं व राष्ट्रीय संगोष्ठी से हुआ। भारतीय पवित्र ग्रंथ गीता का दर्शन और भारतीय संविधान पर इसका प्रतिबिंब विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. अमिताभ सक्सेना ने संबोधित करते हुए श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

श्री सक्सेना ने कहा कि भगवद्गीता भारत के पवित्र ग्रंथों का प्रतिनिधि ग्रंथ है जो हमें सही तरीके से जीवन जीना सिखाता है। गीता बताती है कि धर्म का अभिप्राय किसी संप्रदाय विशेष के भौतिक अभ्यासों से नहीं है अपितु धर्म का अभिप्राय है अपने कर्तव्य-कर्मों को निस्वार्थ भाव से करते हुए चलना। 'कर्म ही पूजा' गीता का सार भी है। इसी प्रकार भारतीय संविधान भी हमारे कर्तव्यों के निर्वहन के प्रति हमें प्रेरित करता है। संविधान में वर्णित हमारे मौलिक कर्तव्य हमें न केवल देश व देश में स्थापित संस्थाओं का सम्मान सिखाते हैं बल्कि देश की नदियों, वनों व वन्यजीवों के प्रति भी सह अस्तित्व की भावना सिखाता है। यह न केवल गीता बल्कि हमारे उपनिषदों का भी सार है जिसका प्रतिबिम्ब हमें भारतीय संविधान पर दिखाई देता है।

वहीं विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय की प्रभारी कुलपति डॉ संगीता जौहरी ने कहा कि आज कि युवा पीढ़ी को गीता व संविधान दोनों का अध्ययन करना चाहिए। ताकि कोई भी आपको दिग्भ्रमित न कर सके। इस अवसर पर विधि विभाग के डीन डॉ नीलेश शर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण कार्यक्रम अधिकारी गब्बर सिंह ने व आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ नाइश ज़मीर ने दिया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक विवेक भास्कर ने किया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा महोत्सव के अंतर्गत भाषा मैत्री दिवस का आयोजन संपन्न

17th Dec.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में मानविकी एवं उदार कला संकाय के द्वारा भारतीय भाषा महोत्सव के अंतर्गत भाषा मैत्री दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की प्रो-वाइस चांसलर डॉ संगीता जौहरी, मानविकी एवं उदार कला संकाय की डीन डॉ. रुचि मिश्रा तिवारी, इंटरनेशनल डिवीजन की डीन डॉ. ऋतु कुमारन विशेष रूप से उपस्थित थीं। इस मौके पर डॉ. संगीता जौहरी ने कहा कि सभी क्षेत्रीय भाषाओं का सीखना चाहिए और नाटक के जरिए स्टूडेंट्स नॉवेल को आसानी से समझ पाते हैं।

इस मौके पर छात्र छात्राओं के साथ विभाग के शिक्षकों ने भी अपने क्षेत्रीय भाषाओं में संगीत की प्रस्तुति दी। इस मौके पर आरएनटीयू में ड्रामा क्लब की स्थापना हुई और क्लब के द्वारा मनोज नायर के निर्देशन में नाटक द मर्डर ऑफ रोजर एक्रोयड का मंचन किया गया। कार्यक्रम में डीन ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अंकित पंडित, एचओडी डॉ. हर्षा शर्मा सहित विभाग के फैकल्टी और बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में विरासत समिति और सृजन क्लब के स्टूडेंट्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

RNTU Faculty Member Conducts Workshop on PROBLEM-SOLVING at Raisen School

29th Nov.: Dr. Brajesh Sharma, Head of the Department of Education at RNTU, recently conducted a workshop on "Problem Solving and Ideation" at Government Middle School, Barvatpur, Raisen. The workshop, attended by 60 students, focused on developing essential skills like problem identification, brain-storming, creative thinking, and teamwork. By fostering entrepreneurial thinking, the initiative aims to empower students to address community challenges and become future leaders. Dr. Sharma emphasized the importance of these skills in today's dynamic world, encouraging students to apply their learnings beyond the classroom. The workshop was well-received by students and teachers alike.

National Pharmacy Week Celebrated at Rabindranath Tagore University Institute of Pharmacy

28th Nov.: National Pharmacy Week was celebrated with great enthusiasm at the Institute of Pharmacy, Rabindranath Tagore University. The main objective of the event was to raise awareness about the field of pharmacy and highlight the role of pharmacists in society. The theme for this year's celebration was "Think Health Think Pharmacy," emphasizing the significant contribution pharmacists make to public health.

The event was graced by prominent dignitaries including Mr. Girjesh Vishwakarma, Pharmacovigilance Associate, Ministry of Health and Welfare, Gandhi Medical College Bhopal; Dr. C.P. Mishra, Dean, AISECT Group of Universities (AGU); Mr. Padmesh Chaturvedi, OSD to Chairman, AGU; and Dr. Durga Pandey, Principal, RNTU Institute of Pharmacy.

Mr. Girjesh Vishwakarma highlighted the importance of pharmacovigilance, emphasizing how this system helps in monitoring the adverse effects of medicines. He also underlined the vital role of pharmacists in ensuring the safe and effective use of medications.

Dr. C.P. Mishra extended his best wishes for National Pharmacy Week and elaborated on the contributions of pharmacists to society. He stressed that pharmacists' roles go beyond just dispensing medicines-they also play an essential role in healthcare.

Mr. Padmesh Chaturvedi discussed the purpose and importance of National Pharmacy Week, stating that the primary goal of the week-long celebration is to effectively communicate the pharmacist's contribution to every section of society.

In his address, Dr. Durga Pandey emphasized the crucial responsibilities of pharmacists in the healthcare profession. He explained that pharmacists not only dispense medicines but also play an integral role in patient care. He further stressed the theme "Think Health Think Pharmacy," noting that pharmacists work collaboratively with other healthcare professionals to improve public health. "Pharmacists are the heart of the healthcare system," he said, as they play a pivotal role in selecting medications, ensuring their proper usage, and monitoring their side effects.

On the first day of the event, a special session was held, and students actively participated in sports such as cricket and tug of war, adding excitement to the celebration. The second day saw various cultural and academic competitions, including a rangoli contest, quiz contest, dance, singing, poetry reading, best out of waste, and label design competitions, where students showcased their talents.

The event witnessed the enthusiastic participation of a large number of students and faculty members from the Institute of Pharmacy, making it a memorable and informative celebration of National Pharmacy Week.

HARMONY 2024: A Vibrant Welcome for Fresher's at RNTU

18th Nov.: Rabindranath Tagore University (RNTU) recently celebrated the arrival of its new batch of students with a vibrant fresher's party, "Harmony 2024." The event was graced by the presence of Pro-Chancellor Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Registrar Dr. Vijay Singh, and Pro Vice-Chancellor Dr. Sangeeta Jauhari, who inaugurated the program by lighting the ceremonial lamp.

Addressing the gathering, Dr. Aditi emphasized the significance of reading in personal and academic growth, encouraging students to cultivate a reading habit. Dr. Vijay Singh extended a warm welcome to the first-year students, highlighting key university initiatives such as the Atal Incubation Center and Daikin Center. He further stressed the importance of time management and discipline in achieving academic and personal goals.

The fresher's party featured an "Ethnic" themed ramp walk, where first-year students showcased their style and competed for the coveted titles of Mr. and Miss. The event concluded with an enthralling performance by Srijan and The Band.

आरएनटीयू के कृषि संकाय ने राष्ट्रीय किसान दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया

23rd Dec.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कृषि संकाय ने किसान दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया। इस अवसर पर डॉ. जी. पी. प्रजापति, प्रबंध निदेशक, ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन इंस्टीट्यूट, भोपाल, डॉ. संजय श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल, डॉ. आर. के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल, डॉ. एम. पी. सिंह, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञानं केंद्र भोपाल, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रो-चांसलर आरएनटीयू, डॉ. संगीता जौहरी, प्रति कुलपति, डॉ. एच. डी. वर्मा, डीन, कृषि संकाय और डॉ. अशोक कुमार वर्मा, विभागाध्यक्ष, कृषि संकाय विशेष रूप से उपस्थित थे। इस आयोजन का उद्देश्य किसानों को सशक्त बनाना और कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों व समाधानों को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर डॉ. जी. पी. प्रजापति ने रासायनिक उर्वरकों के अधिक उपयोग के कारण मिट्टी की गिरती गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने जैविक उत्पादों और संबंधित योजनाओं पर चर्चा की। डॉ. संजय श्रीवास्तव ने मृदा विज्ञान और मृदा परीक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे मृदा परीक्षण किसानों को बेहतर उत्पादन के लिए प्रेरित कर सकता है। डॉ. आर. के. सिंह ने सिंचाई प्रबंधन प्रणाली और किसानों के लिए उपलब्ध कृषि योजनाओं के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि सिंचाई प्रबंधन में सुधार से फसल उत्पादन में वृद्धि हो सकती है। डॉ. एम. पी. सिंह ने किसानों के साथ बातचीत करते हुए उनकी क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान प्रस्तुत किया। उन्होंने किसानों को उनकी फसल से संबंधित समस्याओं पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया।

वहीं डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय द्वारा किसानों और गोद लिए गए गांवों के साथ किए गए संवाद और कृषि अनुसंधान केंद्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पॉलीहाउस और जैविक प्रमाणित 8 एकड़ के फार्म की उपलब्धियों का उल्लेख किया। डॉ. संगीता जौहरी ने कृषि विशेषज्ञों द्वारा दी जाने वाली कृषि सलाह सेवाओं पर चर्चा की।

एनएसएस व विधि संस्थान आरएनटीयू ने किया संविधान दिवस के उपलक्ष्य में संविधान जागरुकता यात्रा का आयोजन

20th Nov.: संविधान दिवस 26 नवंबर के उपलक्ष्य में आरएनटीयू की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई व विधि संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में सीएम राईज़ स्कूल रायसेन के सहयोग से संविधान जागरुकता यात्रा व रैली का आयोजन रायसेन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुश्री मोनिका पटेल, सहायक संचालक शिक्षा विभाग, रायसेन ने कहा कि भारतीय संविधान केवल सूचनाओं, नियमों व कानूनों का संग्रह मात्र नहीं है बल्कि यह हमारे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के महान सेनानियों के विचारों व उनकी भावनाओं का जीवंत दस्तावेज है।

वहीं विशिष्ट अतिथि श्री लक्ष्मीनारायण प्रधान प्राचार्य सीएम राईज़ स्कूल रायसेन ने कहा कि शिक्षा प्राप्त कर चुके व वर्तमान में शिक्षा प्राप्त कर रहे सभी लोगों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वो संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों व मौलिक कर्तव्यों की जानकारी समाज में पिछले पायदान पर खड़े लोगों को दें। इस अवसर पर विधि संस्थान के डीन डॉ नीलेश शर्मा ने मानवाधिकारों पर छात्र छात्राओं को जानकारी दी। कार्यक्रम के सूत्रधार फिल्म निर्माता व लेखक श्री रामपाल सिंह ने कहा कि संविधान जागरुकता यात्रा अथवा रैली लोगों को विचार करने व अपने अधिकारों के लिए लड़ने की ताकत देगी। राष्ट्रीय सेवा योजना व विधि विभाग द्वारा आयोजित इस रैली की मैं सराहना करता हूं। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक व कार्यक्रम अधिकारी श्री गब्बर सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बताया कि किस तरह राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक संविधान की प्रस्तावना को आम जन तक लेकर जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वयंसेवक उन कमजोर वर्ग के लोगों के अधिकार प्राप्ति का जरिया बन सकता है जो अपने अधिकारों जैसे कि शिक्षा का अधिकार, स्वतंत्रता व समानता का अधिकार, सम्मान पूर्वक जीवन जीने का अधिकार इत्यादि से अनभिज्ञ हैं।

AISECT और MAWE द्वारा महिला उद्यमशीलता को सशक्त बनाने के लिए 'बिजनेस बियॉन्ड बॉर्डर्स' सम्मेलन का आयोजन

7th Dec.: ऑल इंडिया सोसाइटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कंप्यूटर टेक्नोलॉजी (AISECT), रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (RNTU) और एमपी एसोसिएशन फॉर वूमेन एंटरप्रेन्योर (MAWE) के संयुक तत्वाधान मे 6-7 दिसंबर 2024 को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, भोपाल में "बिजनेस बियॉन्ड बॉर्डर्स" थीम पर अंतर-राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

डॉ. अर्चना भटनागर की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, उप-कुलाधिपति, RNTU, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने AISECT की स्थापना यात्रा और इसके प्रमुख कार्यक्रमों, जैसे ब्रेनी बियर्स (शिक्षा समाधान) और रमन ग्रीन्स (ऑर्गेनिक उत्पाद) पर प्रकाश डाला। डॉ. पूजा बिजलानी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई) द्वारा उद्यमियों को सक्षम बनाने पर एक सत्र आयोजित किया। उन्होंने ए.आई के आधुनिक उपकरणों और उनके व्यावसायिक अनुप्रयोगों के उपयोग पर चर्चा की।

यह सम्मेलन महिलाओं को उद्यमशीलता के क्षेत्र में सशक्त बनाने, ज्ञान साझा करने और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इसमें MAWE शाइन अवार्ड्स के तहत उत्कृष्ट महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया, प्रदर्शनी कॉर्नर में अनोखे उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, और विश्व स्तर के वक्ताओं ने प्रेरणादायक विचार साझा किए।

राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन–2024, आसनसोल (पश्चिम बंगाल) में हुआ आयोजित

25th Nov.: हिंदी की सहोदर है भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ। इन्हीं से रस ग्रहण कर हिंदी समृद्धशाली भाषा के रूप में विश्व के कई देशों में अपना परचम लहरा रहीं है। वर्तमान में हिंदी के सामने असीम संभावनाएँ हैं। हिंदी के और अधिक वैश्विक विस्तार एवं विकास के लिए भारतीय भाषाओं और बोलियों का संवर्धन–संरक्षण भी बहुत आवश्यक हैं। सभी को मिलकर इस दिशा में अकादमिक, संस्थागत और संगठनात्मक स्तर पर एक साथ आने की जरूरत है। 'विश्व रंग' टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव ने इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई जमीन तैयार की है। उक्त विचार वरिष्ठ कवि–कथाकार, विश्व रंग के निदेशक एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने आसनसोल (पश्चिम बंगाल) में आयोजित राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन –2024 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

उल्लेखनीय है कि कोल इंडिया लिमिटेड के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर उसकी अनुषंगी कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल), बर्नपुर, आसनसोल राजभाषा कार्यान्वयन समिति तथा काजी नजरूल विश्वविद्यालय (केएनयू), आसनसोल के सहयोग से कोयला उत्खनन क्षेत्र में हिंदी भाषा के सतत संवर्धन के लिए द्वितीय राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन 2024 का आयोजन रामकृष्ण मिशन आश्रम (आसनसोल) के सभागार में किया गया।

'हिंदी साहित्य और लोक भाषा' विषय पर आयोजित इस 'राष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन' में 'हिंदी और बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन', 'हिंदी साहित्य में हिंदी की लोक भाषा', 'हिंदी की लोक भाषा और उसका साहित्य', 'जनजातीय भाषाओं का साहित्य', 'अवधि', 'ब्रज', 'मैथिली', 'भोजपुरी', 'छत्तीसगढ़ी', 'बघेली', 'बुंदेली', के साहित्य विषय पर विभिन्न सत्रों में सार्थक विचार विमर्श किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ आलोचक एवं जन संस्कृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि भूषण, वनमाली राष्ट्रीय कथा सम्मान से सम्मानित कथाकार श्री रणेंद्र, बाबा साहेब अंबेडकर विश्वविद्यालय, कोलकाता के कुलपति प्रोफेसर डॉ. सोमा बंदोपाध्याय, हिंदी विश्वविद्यालय, हावड़ा के कुलपति डॉ. विजय कुमार भारती, काजी नजरूल विश्वविद्यालय, आसनसोल के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. सजल कुमार भट्टाचार्य, विधान चंद्र कॉलेज, आसनसोल के डॉ. विजय प्रसाद, गर्ल्स कॉलेज, आसनसोल के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. विजेंद्र कुमार ने भी विभिन्न सत्रों में अपने रचनात्मक विचार प्रस्तुत किये।

सम्मेलन का संचालन ईसीएल की श्री सुमेधा भारती द्वारा किया गया। आभार डॉ. एकता कुमारी ने व्यक्त किया।

रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स गणतंत्र दिवस परेड शिविर दिल्ली में भाग ले रहे है

31st Dec.: रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के एनसीसी नेवल विंग के दो एनसीसी कैडेट्स हीरालाल कुमार (डिप्लोमा मैकेनिकल) और नीलेश साहू (बीई , एईएमएल) दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड के लिए चयनित हुए है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ निदेशालय के 1.5 लाख में से चयनित 136 कैडेट्स में शामिल दोनों ही कैडेट्स पिछले पांच महीनों से लगातार कड़े प्रशिक्षण और चयन प्रक्रिया से गुजरे। 136 कैडेट्स के दल में नेवल विंग के मात्र 15 कैडेट्स का ही चयन किया जाता है, विश्वविद्यालय के दोनों कैडेट्स चुनिंदा 15 कैडेट्स में अपनी जगह बनाने में सफल रहे।

विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी सब लेफ्टिनेंट मनोज सिंह मनराल ने बताया कि विश्वविद्यालय से एक साथ दो कैडेट्स का चयन बहुत बड़ी उपलब्धि है साथ ही उन्होंने बताया कि गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेने वाले प्रत्येक कैडेट के व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव के साथ साथ देश प्रेम की अखंड भावना विकसित होती है। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर कैडेट हीरालाल देश के सम्मानित गणमान्यों तथा इस गणतंत्र दिवस पर आमंत्रित इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के समक्ष राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देंगे, वहीं पीओ कैडेट नीलेश साहू पीएम रैली की परेड में शामिल होंगे।

कैंप के दौरान कैडेट्स को देश के सम्मानित गणमान्यों जैसे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, दिल्ली के मुख्यमंत्री, रक्षा राज मंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ तीनों सेनाओं के अध्यक्षों से मिलने का अवसर भी मिल रहा है।

कैडेट्स की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, उपकुलाधिपति डॉ अदिती चतुर्वेदी वत्स, एसजीएसयू के कुलपति डॉ विजय सिंह, आरएनटीयू की कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

NCC Cadets Honored at NCC Day Celebration in Bhopal

24th Nov.: Leading Cadet Nikhil Verma and Cadet Ayush Dhurve proudly represented their unit at the NCC Day Celebration held at Shaurya Smarak, Bhopal. The event was graced by the Hon'ble Education Minister of Madhya Pradesh and Major General Vikrant M. Dhumne, ADG MP&CG Directorate.As part of the prestigious ceremony, the cadets presented the Guard of Honour, showcasing discipline and dedication emblematic of the NCC spirit. The event highlighted the invaluable contributions of NCC in fostering leadership, patriotism, and service among youth.

Rabindranath Tagore University Champions Digital Empowerment through DigiLocker and ABC Initiatives

18th Nov.:RNTU recently concluded a series of department-wise awareness workshops focused on the importance and utility of DigiLocker and the Academic Bank of Credits (ABC) platform. These initiatives align with the Government of India's Digital India program and the UGC vision for a digitally empowered higher education landscape.

Beyond the workshops, the university undertook a comprehensive promotional campaign to maximize student engagement. Student testimonial videos were produced and widely disseminated, culminating in a mass registration drive. Notably, the National Head of the National Academic Depository (NAD) featured these student-created videos across all higher education media platforms, garnering significant attention and positive feedback.

The university has received encouraging feedback, including testimonials shared by Dr. Anil Tiwari, Controller of Examination, highlighting the positive impact of digitized certificates on the student experience. RNTU encourages students from other institutions to share their experiences and contribute their own videos and testimonials. These contributions will play a crucial role in showcasing the real-world benefits of DigiLocker and NAD, further promoting digital literacy and adoption across the higher education sector.

मैनिट STREE 2024 का शुभारंभ

'महिलाओं की वजह से जीवित है भारतीय ज्ञान परंपरा'- डॉ. अदिति चतुर्वेदी

7th Dec.: राजधानी के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में **स्त्री 2024** का आयोजन सम्पन्न हुआ। 3 दिवसीय यह आयोजन मैनिट, ट्रिपल आईटी और विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद के सयुंक्त तत्वाधान में किया गया। इस कार्यक्रम में आरएनटीयू की प्रो चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी ने कहा कि बीते 2 सालों से देश में भारतीय ज्ञान परंपरा को लेकर अच्छा काम हो रहा है लेकिन फिर भी तकनीकी कोर्सों में लड़कियों की भागीदारी कम है। जब हमने इसकी पड़ताल की तो, दो कारण सामने आए। पहला कारण सोसाइटी और दूसरा कारण ग्रामीण क्षेत्र हैं। स्त्री एक्सपो का उद्देश्य है कि हम कैसे अधिक से अधिक महिलाओं को साइंस और टेक्नालॉजी के लिए इंटीग्रेट कर पाएं। इसे शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक किस प्रकार प्रसार करें। भारतीय ज्ञान परंपरा की बात करें तो चाहे वो हमारी दादी-नानी का समय हो महिलाओं ने ही इसका संरक्षण किया है।

इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि "यदि आज हमारा धर्म, संस्कृति और परंपराएं जीवित हैं, तो इसमें मातृशक्तियों का महत्वपूर्ण योगदान है। यदि हमारी मातृशक्तियों ने अपने संस्कार और भारतीय ज्ञान परंपरा छोड़ दी होती, तो देश हमारा कब का रसातल में चला गया होता. इतिहास गवाह है कि जिस काल में स्त्रियों की पूजा हुई, उस काल की समृद्धि भी हुई,वहीं जिस काल में स्त्रियों का अपमान हुआ, उस काल का पतन ही हुआ है।"

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के सहयोग से RUN BHOPAL RUN का हुआ भव्य आयोजन

8th Dec.: ***आईसेक्ट समूह संस्थान द्वारा से 1000 प्रतिभागियों ने रन भोपाल रन की 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी दौड़ में लिया हिस्सा***

स्वस्थ जीवनशैली और स्वस्थ शरीर के प्रति जागरुकता फैलाने के अपने प्रयास के तहत रविवार को शहर में रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के सहयोग से रन भोपाल रन का आयोजन किया गया। इसमें रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी (आरएनटीयू) समेत सभी आईसेक्ट समूह संस्थाओं एवं स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) की ओर से बड़े स्तर पर सहभागिता की गई। इसमें आईसेक्ट, आरएनटीयू एवं एसजीएसयू के स्टाफ और स्टूडेंट्स को मिलाकर करीब 1000 से अधिक व्यक्तियों द्वारा हिस्सा लिया गया।

इन्होंने 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी दौड़ में हिस्सा लेते हुए स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। इस पहल पर बात करते हुए एसजीएसयू के चांसलर सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि हम संस्थान में बेहतर जीवनशैली को अपनाने को लेकर अपने स्टाफ और छात्रों को लगातार जागरुक करते हैं जिससे वे अपने वर्क लाइफ बैलेंस में सामंजस्य रखना सीख सकें। यह छात्रों को लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भविष्य में वे भी प्रतिष्ठित संस्थानों का हिस्सा बनेंगे और उन्हें स्वस्थ जीवनचर्या उनके स्वास्थ्य के साथ ही उनके कार्य की उत्पादकता को भी बेहतर बनाएगी।

वहीं रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ विजय सिंह ने कहा कि आज भागदौड़ की जीवनचर्या में स्वस्थ जीवनशैली अपनाना मुश्किल होता जा रहा है ऐसे में रन भोपाल रन एक प्रशंसनीय पहल है।

आईसेक्ट, आरएनटीयू एवं एसजीएसयू की ओर से सहभागिता को सुनिश्चित करने के प्रयास में आईसेक्ट कॉर्पोरेट एचआर हैड अनुज रावत के साथ एचआर अभिषेक यादव का प्रमुख सहयोग रहा।

16th Dec.: टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (TNSD) के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने ए.आर. गार्नी के प्रसिद्ध नाटक 'लव लेटर्स' की हिंदी प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के मुक्ताधारा मंच पर हुए इस नाटक को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे और उन्होंने इसे खूब सराहा।

छात्रों द्वारा किए गए हिंदी रूपांतरण ने नाटक की भावनात्मक गहराई को बखूबी उकेरा। अंकुर बशर के मार्गदर्शन में प्रस्तुत इस नाटक ने प्रेम, रिश्तों और मानवीय संवेदनाओं को एक नए अंदाज में प्रस्तुत किया। मंचन के दौरान दर्शकों की प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही, कई भावुक क्षणों में दर्शकों की आंखें नम हो गईं।

छात्रों की अद्भुत अभिनय क्षमता को मिली सराहना: प्रस्तुति में कलाकारों ने अपने संवाद और भाव-भंगिमाओं से नाटक को जीवंत बना दिया। पत्रों के माध्यम से व्यक्त किए गए प्रेम और संवादों की गहराई ने दर्शकों को बांधे रखा। छात्रों की संवेदनशील अभिव्यक्ति और संवाद अदायगी की हर किसी ने प्रशंसा की।

रंगमंच के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर

TNSD: TNSD के इस सफल मंचन ने यह साबित कर दिया कि उभरते रंगकर्मी थिएटर को नए स्तर तक ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के इस प्रयास ने हिंदी रंगमंच को समृद्ध करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रखा है।

दर्शकों की प्रतिक्रिया: प्रस्तुति के बाद दर्शकों ने इसे एक भावनात्मक और अविस्मरणीय अनुभव बताया। एक दर्शक ने कहा, "नाटक ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि हमें भावनाओं के उस सफर पर ले गया, जिसे शायद हम शब्दों में नहीं बयां कर सकते।"

नाट्य प्रेमियों के लिए यादगार शाम: 'लव लेटर्स' की इस शानदार प्रस्तुति ने न सिर्फ छात्रों की अभिनय क्षमता को उजागर किया, बल्कि रंगमंच प्रेमियों को एक अद्भुत अनुभव भी दिया। यह मंचन TNSD के नाट्य सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में याद किया जाएगा।

"साइकिल की चेन" के ज़रिए जागरूकता का संदेश

टैगोर नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा के छात्रों ने भोपाल साइंस फेस्टिवल में किया शानदार मंचन

28th Dec.: विज्ञान और समाज के बीच एक सेतु बनाने के उद्देश्य से आयोजित भोपाल साइंस फेस्टिवल में टैगोर नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक **"साइकिल की चेन"** का प्रभावशाली मंचन किया।

भोपाल के जंबूरी मैदान में हुए इस प्रदर्शन का लेखन और निर्देशन मनोज नायर ने किया। इस नाटक ने दर्शकों को न केवल मनोरंजन दिया बल्कि एक गहरे सामाजिक संदेश से भी जोड़ने का प्रयास किया।

नुक्कड़ नाटक का उद्देश्य: "साइकिल की चेन" नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट और साइकिल चलाने के महत्व को उजागर किया गया। बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम के बीच साइकिल को एक बेहतर विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया।

समर्थन और सहभागिता: इस आयोजन में ग्रीन प्लैनेट बाइसिकल राइडर्स, द पेडलमार्स और शैडो ग्रुप जैसे संस्थानों ने विशेष सहयोग दिया। इन समूहों ने न सिर्फ नुक्कड़ नाटक को समर्थन दिया, बल्कि साइकिलिंग के प्रति जागरूकता फैलाने में भी योगदान दिया।

दर्शकों की प्रतिक्रिया: नुक्कड़ नाटक को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। दर्शकों ने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की और इस संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

भोपाल साइंस फेस्टिवल में प्रस्तुत इस नाटक ने न सिर्फ वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया बल्कि एक स्वस्थ और हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ाने का भी संदेश दिया।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा स्टाफ एनुअल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन संपन्न

31st Dec.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा स्टाफ एनुअल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। यह आयोजन 26 दिसंबर से 31 दिसंबर के मध्य आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलसचिव डॉ. विजय सिंह के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के साथ-साथ अपने शिक्षकों और प्रशासनिक कर्मचारीयों के लिए प्रतिवर्ष स्टाफ एनुअल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन करता आ रहा है।

इससे सभी को संदेश दिया जाता है कि फिजिकल फिटनेस हर व्यक्ति के जीवन का अहम हिस्सा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कोई न कोई स्पोर्ट्स अवश्य खेलना चाहिए। इस वर्ष मैंस और वूमेंस कैटेगरी में कुल 11 प्रकार के खेल आयोजित किए गए जिसमें क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कैरम, चेस, टेबल टेनिस, टग आफ वार, चेयर रेस, 100मीटर रेस, शाटपुट और जेवलिन थ्रो प्रमुख हैं। सभी गेमों में स्टाफ ने बढ़ चलकर हिस्सा लिया और चैंपियन बनने की होड मचा दी। सभी खेलों में प्रतिभागियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। समापन कार्यक्रम में डॉ विजय सिंह के हाथों सभी विजेताओं, उपविजेताओं और द्वितीय उपविजेताओं सहित क्रिकेट में मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट फील्डर, बेस्ट बॉलर को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

यह आयोजन स्पोर्ट्स ऑफिसर सतीश अहिरवार, जितेन्द्र बागरे, मनोज सिंह मनराल, विजय प्रताप सिंह, वीरेंद्र मीणा, कमलेश ठाकुर, आशीष अवस्थी के संयोजन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के खिलाड़ी साउथ वेस्ट जोन कराटे चैंपियनशिप में ओवरऑल रनरअप सहित टीम कुमीते में गोल्ड, इंडिविजुअल में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते

8th Dec.: रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के 7 कराटे प्लेयर्स ने साउथ वेस्ट जोन कराटे चैंपियनशिप में प्रतिभागिता की। सभी खिलाड़ियों ने खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाते हुए साउथ वेस्ट जोन कराटे चैंपियनशिप में ओवरऑल रनरअप सहित टीम कुमीते में गोल्ड, इंडिविजुअल में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते। यह प्रतियोगिता एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में आयोजित हुई।

प्रतियोगिता में बीपीईएस के छात्र प्रिंस राठौर ब्रोंज मेडल (-50किग्रा) इंडिविजुअल कुमीते और गोल्ड मेडलिस्ट टीम कुमीते, पीजीडीएसएम के छात्र रोहित बसेड़िया सिल्वर मेडलिस्ट (-84 किग्रा) इंडिविजुअल कुमीते और गोल्ड मेडलिस्ट टीम कुमीते, बीपीईएस के छात्र अनुज गोस्वामी गोल्ड मेडलिस्ट टीम कुमीते और फिनिश्ड टॉप 8 इन (-60 किग्रा) इंडिविजुअल कुमीते, पीजीडीएसएम के छात्र गणपत सोनटके गोल्ड मेडलिस्ट टीम कुमीते और फिनिश्ड टॉप 8 इन (-55 किग्रा) इंडिविजुअल कुमीते, बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र प्रणय लांजेवर गोल्ड मेडलिस्ट टीम कुमीते और फिनिश्ड टॉप 8 इन (+84 किग्रा) इंडिविजुअल कुमीते, बीपीईएस के छात्र सुयश राजा गुर्जर गोल्ड मेडलिस्ट टीम कुमीते और फिनिश्ड टॉप 16 इन (-67 किग्रा) इंडिविजुअल कुमीते, बीपीईएएस के छात्र अंश निनामा गोल्ड मेडलिस्ट टीम कुमीते में उत्कृष्ट प्रदर्शन कार्यालयकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किये। टीम के मैनेजर विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स ऑफिसर सतीश अहिरवार और कोच रुद्र प्रताप सिंह रघुवंशी के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।यह सभी खिलाड़ी जनवरी में महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक, हरियाणा में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाइड कर लिए हैं।

साउथ अफ्रीका में आरएनटीयू के कराटे खिलाड़ी अनुज गोस्वामी ने 11वें कामनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप 2024 में गोल्ड मेडल जीत भारत का परचम लहराया

30th Nov.: 11वें कामनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए आरएनटीयू के कराटे खिलाड़ी अनुज गोस्वामी (बीपीईएस प्रथम वर्ष) ने (-60 किलो ग्राम) वर्ग में गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। यह चैंपियनशिप साउथ अफ्रीका के डरबन शहर में दिनांक 28 नवंबर से 1 दिसंबर तक डरबन, साउथ अफ्रीका में आयोजित हो रहा है। इस चैंपियनशिप में 25 देशों के लगभग 1,000 प्रतिभागी, अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।ज्ञात हो कि इनका चयन इसी वर्ष दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित हुई नेशनल चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। अनुज गोस्वामी ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता सहित अपनी अकादमी और विश्वविद्यालय को देते हुए कहते हैं कि अभी तो मंजिल और भी बाकी है। भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरे विश्व में आरएनटीयू का मान बढ़ाने पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी, प्रो-चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलसचिव डॉ विजय सिंह और रायसेन जिले के जिला खेल अधिकारी श्री जलज चतुर्वेदी ने अनुज को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वेस्ट जोन हॉकी टूर्नामेंट पुरुष वर्ग में आरएनटीयू ने अंतिम 4 में जगह बनाई

6th Nov.: ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वेस्ट जोन हॉकी टूर्नामेंट पुरुष वर्ग में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की टीम आज अपने मैच जीतकर टॉप 4 में जगह बना ली है। यह टूर्नामेंट सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी जयपुर, राजस्थान में दिनांक 2 नवंबर से 7 नवंबर तक आयोजित हो रहा है। आज का मुकाबला आरएनटीयू विरुद्ध शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर, महाराष्ट्र से था। आज के कड़े मुकाबले में दोनों टीमों की जीत का फैसला पेनल्टी शूटआउट सडन आफ डेथ में हुआ। पेनल्टी शूटआउट में आरएनटीयू के खिलाड़ी दीपक यादव (बीकाम द्वितीय वर्ष) ने 1 गोल और अवनीश कुमार सेन (एमपीईएस प्रथम वर्ष) ने 1 गोल दागा वहीं शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर के खिलाड़ी 1-1 गोल दाग कर बराबरी कर ली। अब फैसला सडन ऑफ़ डेथ की ओर मूव कर गया इस रोचक मुकाबले में आरएनटीयू के दीपक यादव ने पुनः 1 गोल दागकर टीम को जीत दिलाकर अंतिम 4 में जगह बनाने में कामयाबी पाई। टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय से बतौर मैनेजर स्पोर्ट्स ऑफिसर सतीश अहिरवार और कोच श्री लोकेंद्र शर्मा की अगुवाई में टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है।

Congratulations RNTU Star Cricket Player Sanskriti

RNTU star cricket player **Sanskriti Gupta** (BPED 2nd year), has been bought by Mumbai for ₹10 lakh in the Women's Premier League (WPL) 2025. Sanskriti, an all-rounder woman cricketer from the Shrimant Madhavrao Scindia Sports Academy in Shivpuri, will now play in WPL 2025. During the auction held in Bengaluru on Sunday, the Mumbai Indians team secured her for ₹10 lakh.

PROF. (Dr.) AMITABH SAXENA
Executive Director, ITDPR-AGU

Prof. (Dr.) Amitabh Saxena is a renowned educator from Madhya Pradesh owns more than 30 years' experience in the education industry. Prof. Saxena holds a doctorate degree in Computer Science. His PhD marked a pinnacle of a long journey of sustained personal illumination driven by an abiding curiosity to broaden the horizons of knowledge.

As Professor Dr. Saxena pursued his scholarly and teaching roles, leadership responsibilities seemed to gesture at every turn. It is in delivering these responsibilities that he garnered broad hands-on skills, practical knowledge and fundamental proficiencies in key structural, legislative and regulatory frameworks crucial to the effective management of institutions of higher learning. In completion of time, he has accumulated a vast wealth of Administrative experience, sharpened management skills of different people and set up various programmes. He pierced himself in leadership and distinguished himself as a proficient leader. His progressive rise in leadership roles where he has served various senior academic positions over the past 30 years speak to this fact.

He has published many research papers and articles in renowned research journals and magazines. He authored several books as well. Prof. Saxena is a member of numerous academic bodies i.e. GB, BOM, Academic council of several educational institutions. He also owns a fellowship of Institute of Electronics and Telecommunication Engineering IETE. He is a life time member of Indian society for training and development (ISTD) and Indian society for technical education (ISTE).

Project Allotted to **Dr. Rachna Chaturvedi**

Dr. Rachna Chaturvedi, Dr. T Ravi Kiran, Dr. Kishor Thakre and Dr. Tej Kiran Naroliya, Research and Project Group, have been awarded a research project titled "Socio-economic impact assessment of solar energy adoption in tribal/rural belt of Raisen District" by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR).

This research will contribute significantly to understanding the social and economic implications of renewable energy adoption in rural communities.

Dr. Purvee Bharadwaj, Dean Faculty of Science, received an **'Early Career Researcher Award'** at 06th International Conference on Artificial Intelligence and Robotics in Life Science.

NCC Officer Receives Appreciation

Sub Lt. Manoj Singh Manral, NCC Officer of RNTU, has been serving in RNTU NCC since July 2015. He became commissioned officer with Sub Lieutenant Rank in December 2017 after successfully completion of pre-commissioned course from Officer Training Academy Kmaptee (OTA) and Naval Base INS Venduruthy, Kochi. He has also completed his one refresher course from OTA Kamptee in 2023 and got first position in all over India.

Sub Lt. Manoj Singh Manral received appreciation from Lt. CDR Srikant Garg, Commanding Officer of 1MP Naval Unit NCC Bhopal, on the occasion of Indian Navy Day. This recognition acknowledges Sub Lt. Manoj Singh Manral's valuable contributions and dedication to the 1MP Naval Unit NCC Bhopal. This recognition reflects the commitment and hard work of our NCC officer in fostering a strong and disciplined cadet corp.

Students from Rabindranath Tagore University Achieve Placements in Large & Mid Cap Companies

Rabindranath Tagore University has once again demonstrated its commitment to providing students with the skills and knowledge necessary to succeed in the competitive job market. The university recently announced the successful placement of several bright young graduates in prestigious companies across various sectors.

Raushan Tiwari has secured a position as **Business Development Associate** at **Wayspire Ed-Tech Pvt Ltd.**

Nikhil Tripathi

Tripti Raina

Shwetank Pandey

Priyansh Parihar

Nikhil Tripathi, Tripti Raina, Shwetank Pandey, and Priyansh Parihar have all been successfully placed as **Recruitment Executives** at **SGS Technical Services Pvt Ltd.**

These placements are a testament to the university's rigorous academic programs, experienced faculty, and renowned industry collaborations. The university provides students with ample opportunities to enhance their skills through internships, workshops, and industry-oriented projects, preparing them for the challenges of the professional world.

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY MADHYA PRADESH, BHOPAL
Village Mendua, Post-Bhojpur, Chiklod Road,
Near Bangrasia, Bhopal- 464993 (M.P.)
Ph.: 0755-2700400 | Email: info@rntu.ac.in

Patron
Shri Santosh Choubey, Chancellor
Dr. Aditi Chaturvedi Vats, Pro-Chancellor
Dr. Nitin Vats, Director AIC RNTU
Dr. Sangeeta Jauhari, Registrar

Editorial Team
Editors : Dr. Shailendra Singh, Mr. Vijay Pratap Singh
Copywriters : Mr. Sameer Choudhary, Ms. Shreya Sharma
Design : Mr. Kamlesh Thakur
Photography : Mr. Upendra Patne